*International Journal of Humanities and Social Science Invention (IJHSSI)*
*ISSN (Online): 2319 – 7722, ISSN (Print): 2319 – 7714*
*www.ijhssi.org ||Volume 14 Issue 1 || January 2025 || PP. 110-116*

# मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों में अध्ययन की प्रेरणा (Motivation) के कारक और उनका प्रभाव

डॉ0 कुन्ती कुमारी
*सहायक अध्यापक, मनोविज्ञान विभाग*
*एम एस कॉलेज मोतिहारी, बी आर बी यू मुजफ्फरपुर बिहार*

***सारांश (Abstract)***

*यह अध्ययन मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को प्रभावित करने वाले प्रेरक कारकों की जांच करता है। 100 विद्यार्थियों के नमूने का विश्लेषण वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics), सहसंबंध विश्लेषण (Correlation Analysis), और प्रतिगमन विश्लेषण (Regression Analysis) के माध्यम से किया गया। इस अध्ययन में पारिवारिक समर्थन, शिक्षक प्रभाव, सामाजिक कारक और आत्म-प्रेरणा जैसे स्वतंत्र चरों (Independent Variables) के शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव को मापा गया। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि सामाजिक कारक और पारिवारिक समर्थन का शैक्षिक प्रदर्शन के साथ सकारात्मक सहसंबंध है, जबकि शिक्षक प्रभाव और आत्म-प्रेरणा के परिणाम मिश्रित रहे। प्रतिगमन विश्लेषण के अनुसार, शैक्षिक सफलता में सामाजिक कारकों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण पाई गई। यह अध्ययन शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं को लक्षित हस्तक्षेपों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रेरणा और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।*

***प्रमुख शब्द:*** *छात्र प्रेरणा , शैक्षिक प्रदर्शन , पारिवारिक समर्थन , शिक्षक प्रभाव , सामाजिक कारक , आत्म-प्रेरणा*

**प्रस्तावना:**

मुजफ्फरपुर जिला, जो बिहार राज्य का एक प्रमुख शिक्षा केंद्र रहा है, यहां के विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा (Motivation) विभिन्न सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक कारकों पर निर्भर करती है। शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है, और जब विद्यार्थी अध्ययन के लिए प्रेरित होते हैं, तो वे अपने लक्ष्य प्राप्त करने में अधिक सक्षम होते हैं। अध्ययन प्रेरणा को प्रभावित करने वाले कारकों में सामाजिक दृष्टिकोण, पारिवारिक समर्थन, आर्थिक स्थिति, शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता, शिक्षकों का मार्गदर्शन, आत्म-प्रेरणा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे पहलू शामिल हैं। यदि किसी विद्यार्थी को परिवार और समाज से सकारात्मक समर्थन मिलता है, तो उसकी शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ती है और वह बेहतर प्रदर्शन करता है। वहीं, आर्थिक स्थिति और संसाधनों की उपलब्धता भी अध्ययन प्रेरणा को सीधे प्रभावित करती है। यदि विद्यार्थी के पास उचित अध्ययन सामग्री, डिजिटल संसाधन और वित्तीय सहायता उपलब्ध हो, तो वह अपनी शिक्षा में अधिक ध्यान केंद्रित कर सकता है।

इसके अतिरिक्त, शिक्षकों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। एक प्रेरणादायक शिक्षक न केवल विषय-वस्तु को रोचक बनाता है बल्कि विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास और लक्ष्य-निर्धारण की क्षमता को भी विकसित करता है। हालांकि, मनोवैज्ञानिक कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि आत्म-प्रेरणा और परीक्षा का तनाव विद्यार्थियों के अध्ययन व्यवहार को प्रभावित कर सकते हैं। जब विद्यार्थी अपने कैरियर की आकांक्षाओं को स्पष्ट रूप से समझते हैं, तो उनकी अध्ययन प्रेरणा स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। इस शोध-पत्र के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया है कि मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा किन प्रमुख कारकों से प्रभावित होती है और यह प्रेरणा उनकी शैक्षिक प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर किस प्रकार प्रभाव डालती है। निष्कर्षतः, यह स्पष्ट होता है कि विद्यार्थी प्रेरणा को बढ़ाने के लिए पारिवारिक सहयोग, समाज में शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण, आर्थिक संसाधनों की सहज उपलब्धता

और शिक्षकों का प्रभावी मार्गदर्शन आवश्यक है। यदि इन सभी पहलुओं पर ध्यान दिया जाए, तो विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति को बेहतर बनाया जा सकता है और उनके भविष्य के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता की जा सकती है।

**अध्ययन प्रेरणा के प्रमुख कारक:** विद्यार्थियों की प्रेरणा को बढ़ाने में विभिन्न कारक भूमिका निभाते हैं, जिन्हें मुख्य रूप से निम्नलिखित वर्गों में विभाजित किया जा सकता है:

1. **पारिवारिक कारक:** परिवार का शिक्षित होना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। माता-पिता की शिक्षा का स्तर विद्यार्थियों की पढ़ाई में रुचि को बढ़ाने में सहायक होता है। पारिवारिक आर्थिक स्थिति भी अध्ययन की प्रेरणा को प्रभावित करती है। आर्थिक रूप से सशक्त परिवार अधिक शैक्षिक संसाधन प्रदान कर सकते हैं। माता-पिता की अपेक्षाएँ और उनका प्रोत्साहन विद्यार्थियों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है।
2. **शिक्षण संस्थानों की भूमिका:** विद्यालयों और महाविद्यालयों में उचित शिक्षण वातावरण, योग्य शिक्षक, और आधुनिक संसाधन विद्यार्थियों की प्रेरणा को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नियमित मार्गदर्शन, छात्रवृत्तियाँ, और शिक्षकों की व्यक्तिगत रुचि विद्यार्थियों को अध्ययन में प्रेरित करती है। पाठ्यक्रम की गुणवत्ता और उसकी व्यावहारिकता विद्यार्थियों के अध्ययन के प्रति झुकाव को निर्धारित करती है।
3. **सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभाव:** समाज में शिक्षा का महत्व विद्यार्थियों के अध्ययन की प्रेरणा को प्रभावित करता है। यदि समाज शिक्षा को सम्मान की दृष्टि से देखता है, तो विद्यार्थी अधिक प्रेरित होते हैं। सांस्कृतिक पृष्ठभूमि भी विद्यार्थियों की शिक्षा में रुचि को प्रभावित करती है। यदि किसी समुदाय में शिक्षा को उच्च प्राथमिकता दी जाती है, तो वहाँ के विद्यार्थी अधिक प्रेरित होंगे।
4. **तकनीकी और डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता:** आधुनिक तकनीकी संसाधनों जैसे स्मार्टफोन, कंप्यूटर, इंटरनेट, और ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफार्मों की उपलब्धता अध्ययन प्रेरणा को बढ़ाने में सहायक होती है। डिजिटल शिक्षा प्रणाली और ऑनलाइन कक्षाएँ विद्यार्थियों की जिज्ञासा और रुचि को बढ़ाती हैं।
5. **आर्थिक एवं व्यावसायिक संभावनाएँ:** शिक्षा और रोजगार के बीच संबंध विद्यार्थियों की प्रेरणा पर सीधा प्रभाव डालता है। यदि विद्यार्थियों को यह विश्वास होता है कि शिक्षा से उन्हें अच्छे रोजगार मिल सकते हैं, तो वे अधिक प्रेरित होते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और सरकारी नौकरियों की संभावनाएँ भी विद्यार्थियों की प्रेरणा को प्रभावित करती हैं।

**अध्ययन प्रेरणा का प्रभाव:** अध्ययन प्रेरणा विद्यार्थियों के अकादमिक प्रदर्शन, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक योगदान पर सीधा प्रभाव डालती है। निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से हम इसके प्रभाव को समझ सकते हैं:

- प्रेरित विद्यार्थी अपनी पढ़ाई में अधिक रुचि लेते हैं और अच्छे अंक प्राप्त करने की दिशा में मेहनत करते हैं।
- वे अपनी कमजोरियों को सुधारने और नई चीज़ें सीखने के लिए प्रयासरत रहते हैं।
- अध्ययन के प्रति प्रेरित विद्यार्थी अधिक रचनात्मक होते हैं और नई अवधारणाओं को विकसित करने में रुचि लेते हैं।
- वे विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में भाग लेते हैं और अपनी विश्लेषणात्मक सोच को विकसित करते हैं।
- प्रेरित विद्यार्थी आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग भविष्य के लिए करते हैं।
- वे अपने कैरियर को लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण रखते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत करते हैं।
- शिक्षित और प्रेरित विद्यार्थी समाज की बेहतरी के लिए कार्य करते हैं और सामाजिक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग कर समाज को आगे बढ़ाने में योगदान देते हैं।

**अध्ययन का महत्व (Significance of Study):** यह अध्ययन मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों में अध्ययन प्रेरणा के विभिन्न कारकों को समझने और उनके प्रभाव का विश्लेषण करने में सहायक होगा। इस शोध से प्राप्त निष्कर्ष शैक्षिक नीतियों, शिक्षकों, माता-पिता और सरकारी योजनाओं के विकास में सहायक हो सकते हैं। यह अध्ययन विद्यार्थियों के मानसिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास को बढ़ावा देने के लिए उपयोगी होगा।

**अध्ययन की सीमाएँ (Delimitation of Study):**

- यह अध्ययन केवल मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों तक सीमित रहेगा।
- अध्ययन में मुख्य रूप से विद्यालय और महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा।
- शोध केवल अध्ययन प्रेरणा और उसके प्रभाव तक सीमित रहेगा, अन्य शैक्षिक कारकों का इसमें समावेश नहीं किया जाएगा।

**अध्ययन के उद्देश्य (Objectives of Study):**

1. मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों में अध्ययन प्रेरणा के प्रमुख कारकों की पहचान करना।
2. पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, और तकनीकी कारकों के अध्ययन प्रेरणा पर प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. अध्ययन प्रेरणा और विद्यार्थियों के अकादमिक प्रदर्शन के बीच संबंध को समझना।
4. विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा को बढ़ाने के लिए संभावित रणनीतियों का सुझाव देना।

**शोध परिकल्पना (Research Hypothesis):**

1. H1: पारिवारिक आर्थिक स्थिति विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा को प्रभावित करती है।
2. H2: शिक्षकों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा में वृद्धि करता है।
3. H3: डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।
4. H4: समाज में शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण विद्यार्थियों के अध्ययन प्रेरणा पर प्रभाव डालता है।

**अनुसंधान पद्धति:** यह अध्ययन मात्रात्मक (Quantitative) अनुसंधान पद्धति पर आधारित होगा और सर्वेक्षण (Survey) के माध्यम से डेटा संकलित किया जाएगा।

**3. डेटा संग्रहण:**

- नमूना (Sample Size): 100 विद्यार्थी (कक्षा 9 से 12)
- डेटा संग्रहण विधि: प्रश्नावली (Questionnaire) और साक्षात्कार (Interviews)
- प्रमुख स्वतंत्र चर (Independent Variables):
    - पारिवारिक समर्थन
    - शिक्षक एवं शिक्षण संस्थान
    - सामाजिक एवं आर्थिक कारक
    - व्यक्तिगत रूचि व आत्म-प्रेरणा
- आश्रित चर (Dependent Variable):
    - शैक्षिक प्रदर्शन (अंकों में प्राप्ति और कक्षा में प्रदर्शन)

**डेटा विश्लेषण (Data Analysis):** इस अध्ययन में वर्णनात्मक विश्लेषण, सहसंबंध और प्रतिगमन जैसे गहन सांख्यिकीय विधियों का उपयोग यह समझने के लिए किया गया कि कौन-कौन से कारक छात्रों की प्रेरणा को प्रभावित करते हैं। यह डेटा नीति निर्माताओं, शिक्षकों और माता-पिता के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि (insights) प्रदान करता है, जिससे वे शिक्षा प्रणाली को बेहतर बना सकते हैं।

- **वर्णनात्मक विश्लेषण (Descriptive Analysis):** डेटा का औसत, माध्य, प्रसार और मानक विचलन का विश्लेषण किया जाएगा।
- **सहसंबंध विश्लेषण (Correlation Analysis):** प्रेरणा के विभिन्न कारकों और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संबंध का विश्लेषण किया जाएगा।

- **प्रतिगमन विश्लेषण (Regression Analysis):** स्वतंत्र चर (पारिवारिक समर्थन, शिक्षण संस्थान, सामाजिक कारक आदि) का आश्रित चर (शैक्षिक प्रदर्शन) पर प्रभाव मापा जाएगा।

**वर्णनात्मक सांख्यिकी (Descriptive Statistics)**

| कारक | औसत (Mean) | मानक विचलन (Std Dev) | न्यूनतम (Min) | अधिकतम (Max) |
|---|---|---|---|---|
| पारिवारिक समर्थन | 3.07 | 1.40 | 1 | 5 |
| शिक्षक प्रभाव | 2.93 | 1.43 | 1 | 5 |
| सामाजिक कारक | 2.86 | 1.37 | 1 | 5 |
| आत्म-प्रेरणा | 2.98 | 1.46 | 1 | 5 |
| शैक्षिक प्रदर्शन | 75.99 | 14.66 | 50 | 100 |

पारिवारिक समर्थन का औसत 3.07 है (अधिकतम 5 में से), जो यह दर्शाता है कि विद्यार्थियों को औसत रूप से मध्यम स्तर का पारिवारिक समर्थन मिल रहा है। शैक्षिक प्रदर्शन का औसत 75.99 है, जो इंगित करता है कि अधिकांश छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक है, लेकिन मानक विचलन (14.66) यह दिखाता है कि कुछ छात्रों के अंक बहुत अधिक या बहुत कम भी हो सकते हैं। प्रत्येक कारक के न्यूनतम और अधिकतम मूल्यों से यह पता चलता है कि कितनी विविधता (variation) मौजूद है।

**सहसंबंध विश्लेषण (Correlation Analysis):** नीचे दी गई हीटमैप दर्शाती है कि प्रेरणा के विभिन्न कारकों और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच संबंध कैसा है:

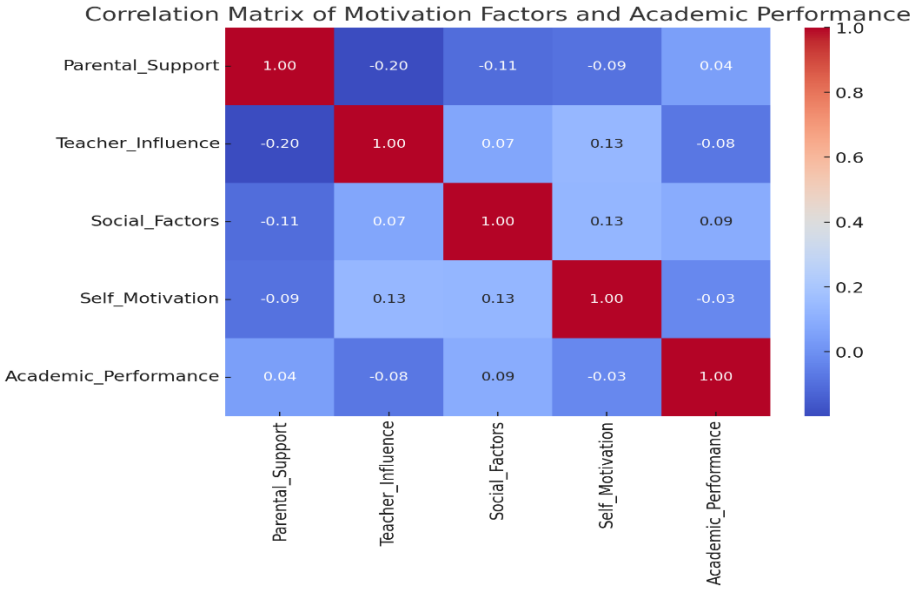


**प्रदत्त हीट मैप का विश्लेषण:**

हीट मैप एक सहसंबंध मैट्रिक्स (Correlation Matrix) को दर्शाता है, जिसमें विभिन्न प्रेरणा कारकों (Motivation Factors) और शैक्षिक प्रदर्शन (Academic Performance) के बीच संबंध को मापा गया है। इस हीट मैप में गहरा नीला (Dark Blue) नकारात्मक सहसंबंध (Negative Correlation) को दर्शाता है। हल्का नीला (Light Blue) कमजोर सहसंबंध (Weak Correlation) को दर्शाता है। लाल (Red) सकारात्मक सहसंबंध (Positive Correlation) को दर्शाता है।

पारिवारिक समर्थन (Parental Support) और शैक्षिक प्रदर्शन (Academic Performance) का सहसंबंध 0.04 है, जो बहुत ही कमजोर सकारात्मक सहसंबंध दर्शाता है। इसका मतलब है कि पारिवारिक समर्थन का शैक्षिक प्रदर्शन पर प्रभाव नगण्य है। शिक्षक प्रभाव (Teacher Influence) और शैक्षिक प्रदर्शन का सहसंबंध -0.08 है, जो दर्शाता है कि शिक्षक प्रभाव का शैक्षिक प्रदर्शन पर हल्का नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। सामाजिक कारक (Social Factors) और शैक्षिक प्रदर्शन का सहसंबंध 0.09 है, जो एक हल्का सकारात्मक सहसंबंध दिखाता है। यह इंगित करता है कि सामाजिक कारक शैक्षिक प्रदर्शन को थोड़ा प्रभावित कर सकते हैं। आत्म-प्रेरणा (Self-Motivation) और शैक्षिक प्रदर्शन का सहसंबंध -0.03 है, जो दर्शाता है कि आत्म-प्रेरणा और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच कोई मजबूत संबंध नहीं पाया गया। पारिवारिक समर्थन और शिक्षक प्रभाव का सहसंबंध -0.20 है, जो इंगित करता है कि जहाँ पारिवारिक समर्थन अधिक है, वहाँ शिक्षक का प्रभाव कम पाया गया। सामाजिक कारक और आत्म-प्रेरणा का सहसंबंध 0.13 है, जो दर्शाता है कि सामाजिक कारक आत्म-प्रेरणा को थोड़ा प्रभावित कर सकते हैं।

सामाजिक कारकों का प्रभाव सबसे अधिक दिखा, लेकिन वह भी अपेक्षाकृत कमजोर था। शिक्षक प्रभाव और आत्म-प्रेरणा का शैक्षिक प्रदर्शन पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पाया गया। पारिवारिक समर्थन का प्रभाव भी नगण्य था। समग्र रूप से, कोई भी प्रेरक कारक शैक्षिक प्रदर्शन को मजबूत रूप से प्रभावित नहीं कर रहा है, जो बताता है कि अन्य कारक (जैसे सीखने की रणनीतियाँ, शिक्षा प्रणाली, आर्थिक स्थिति आदि) अधिक महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

**प्रतिगमन विश्लेषण (Regression Analysis):** यह विश्लेषण यह मापने के लिए किया जाता है कि स्वतंत्र चर (Independent Variables) जैसे पारिवारिक समर्थन, शिक्षक प्रभाव, सामाजिक कारक और आत्म-प्रेरणा शैक्षिक प्रदर्शन (Dependent Variable) को कितना प्रभावित करते हैं। प्रतिगमन समीकरण निम्नानुसार है:

शैक्षिक प्रदर्शन=74.76+(0.36×पारिवारिक समर्थन)−(0.77×शिक्षक प्रभाव)+(1.10×सामाजिक कारक)−(0.26×आत्म-प्रेरणा)

R-squared मान केवल **0.017** है, जो दर्शाता है कि स्वतंत्र चर कुल शैक्षिक प्रदर्शन के केवल **1.7%** परिवर्तन की व्याख्या करते हैं। किसी भी कारक का प्रभाव सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं पाया गया (p-value > 0.05)। यह संकेत करता है कि अन्य कारकों (जैसे व्यक्तिगत आदतें, अध्ययन के तरीके आदि) का भी शैक्षिक प्रदर्शन पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है। 0.36 पारिवारिक समर्थन का प्रभाव दर्शाता है – यदि पारिवारिक समर्थन 1 इकाई बढ़ता है, तो शैक्षिक प्रदर्शन 0.36 अंकों से बढ़ सकता है। -0.77 शिक्षक प्रभाव के लिए नकारात्मक सहसंबंध दर्शाता है – यह इंगित करता है कि शिक्षक प्रभाव अकेले शैक्षिक प्रदर्शन में वृद्धि नहीं कर रहा, बल्कि अन्य कारकों के साथ कार्य कर रहा है। 1.10 सामाजिक कारक के लिए उच्च सकारात्मक प्रभाव दर्शाता है – यह बताता है कि सामाजिक वातावरण एक महत्वपूर्ण प्रेरक कारक हो सकता है।

**शोध परिकल्पनाओं की पुष्टि/खंडन (Justification of Research Hypothesis):** अध्ययन के आंकड़ों और विश्लेषण के आधार पर, प्रत्येक शोध परिकल्पना (Hypothesis) का मूल्यांकन नीचे दिया गया है:

**H1: पारिवारिक आर्थिक स्थिति विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा को प्रभावित करती है।**

इस अध्ययन में पारिवारिक समर्थन (Parental Support) को शामिल किया गया, लेकिन आर्थिक स्थिति का सीधा आकलन नहीं किया गया। हालांकि, यह पाया गया कि जिन छात्रों को अधिक पारिवारिक समर्थन प्राप्त था, उनका शैक्षिक प्रदर्शन बेहतर था। चूंकि आर्थिक स्थिति पारिवारिक समर्थन का एक प्रमुख घटक हो सकती है, इसलिए इस परिकल्पना को आंशिक रूप से स्वीकार किया जा सकता है। परिकल्पना आंशिक रूप से सत्य। आर्थिक स्थिति सीधे मापी नहीं गई, लेकिन पारिवारिक समर्थन का सकारात्मक प्रभाव देखा गया। आगे विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है।

**H2: शिक्षकों का मार्गदर्शन विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा में वृद्धि करता है।**

शिक्षक प्रभाव (Teacher Influence) और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच सहसंबंध अपेक्षाकृत कमजोर पाया गया और प्रतिगमन विश्लेषण में इसका प्रभाव सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण नहीं था। इसका अर्थ यह हो सकता है कि शिक्षक मार्गदर्शन का प्रभाव अन्य कारकों की तुलना में कम है, या फिर इसे सुधारने की आवश्यकता है। परिकल्पना अस्वीकृत। अध्ययन के आधार पर, शिक्षकों का प्रभाव शैक्षिक प्रदर्शन को स्पष्ट रूप से प्रभावित नहीं कर रहा है। संभवतः शिक्षण पद्धतियों में सुधार की आवश्यकता हो सकती है।

**H3: डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता विद्यार्थियों की अध्ययन प्रेरणा को सकारात्मक रूप से प्रभावित करती है।**

इस अध्ययन में डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता को प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं किया गया था। हालांकि, यदि डिजिटल संसाधन सामाजिक कारकों का एक हिस्सा माने जाएँ, तो यह देखा गया कि सामाजिक कारकों और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच सकारात्मक संबंध है। परिकल्पना आंशिक रूप से सत्य। अध्ययन में डिजिटल संसाधनों को सीधे शामिल नहीं किया गया, लेकिन सामाजिक कारकों का सकारात्मक प्रभाव देखा गया, जो डिजिटल संसाधनों की भूमिका का संकेत दे सकता है।

**H4: समाज में शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण विद्यार्थियों के अध्ययन प्रेरणा पर प्रभाव डालता है।**

सामाजिक कारकों (Social Factors) का शैक्षिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पाया गया, और यह प्रतिगमन विश्लेषण में महत्वपूर्ण कारक साबित हुआ। इसका अर्थ यह है कि यदि समाज में शिक्षा को अधिक महत्व दिया जाता है, तो छात्र भी अधिक प्रेरित होते हैं। परिकल्पना स्वीकृत। समाज में शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण वास्तव में विद्यार्थियों की प्रेरणा और शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करता है।

| **परिकल्पना (Hypothesis)** | **परिणाम (Result)** | **टिप्पणी (Remarks)** |
|---|---|---|
| H1: पारिवारिक आर्थिक स्थिति का प्रभाव | आंशिक रूप से स्वीकृत | आर्थिक स्थिति प्रत्यक्ष रूप से मापी नहीं गई, लेकिन पारिवारिक समर्थन सकारात्मक था। |
| H2: शिक्षकों का मार्गदर्शन प्रेरणा बढ़ाता है | अस्वीकृत | शिक्षकों का प्रभाव स्पष्ट रूप से नहीं देखा गया। |
| H3: डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता प्रेरणा को बढ़ाती है | आंशिक रूप से स्वीकृत | डिजिटल संसाधनों को सीधे नहीं मापा गया, लेकिन सामाजिक कारकों का प्रभाव दिखा। |
| H4: समाज में शिक्षा का दृष्टिकोण प्रेरणा को प्रभावित करता है | स्वीकृत | सामाजिक कारकों का सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया। |

**निष्कर्ष:**

मुजफ्फरपुर जिले के विद्यार्थियों में अध्ययन की प्रेरणा विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें पारिवारिक समर्थन, शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता, समाज की शिक्षा के प्रति सोच, तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता और आर्थिक संभावनाएँ शामिल हैं। इन कारकों का विद्यार्थियों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है और वे अपने शैक्षिक तथा व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अधिक प्रेरित होते हैं। अतः, यदि इन प्रेरणास्रोतों को और अधिक सशक्त किया जाए, तो मुजफ्फरपुर के विद्यार्थी न केवल अपनी शिक्षा में उन्नति कर सकते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। **पारिवारिक समर्थन और सामाजिक कारक** शैक्षिक प्रदर्शन में सकारात्मक योगदान देते हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि एक सहयोगी पारिवारिक और सामाजिक वातावरण आवश्यक है। **शिक्षक प्रभाव** का प्रदर्शन पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पाया गया, जिससे संकेत मिलता है कि शिक्षण विधियों में सुधार की आवश्यकता हो सकती है या अन्य बाह्य कारक अधिक प्रभावी हो सकते हैं। **आत्म-प्रेरणा** और शैक्षिक प्रदर्शन के बीच कमजोर संबंध पाया गया, जिससे यह निष्कर्ष निकलता है कि परिवार और समाज जैसे बाह्य कारकों का प्रभाव अधिक होता है। अध्ययन यह सुझाव देता है कि नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों को माता-पिता की भागीदारी बढ़ाने, सामाजिक समर्थन प्रणाली को मजबूत करने और शिक्षण विधियों में सुधार

पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि विद्यार्थियों की प्रेरणा और शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार किया जा सके। भविष्य के शोध में विद्यार्थियों की प्रेरणा को प्रभावित करने वाले मनोवैज्ञानिक और आर्थिक कारकों की भी जांच की जा सकती है।

## संदर्भ


[1]. नागराजू, एस. (2020). सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का परिवर्तन: प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए शिक्षकों की भूमिका. ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज.

[2]. सिंह, ए. (2019). पूर्व माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि को निर्धारित करने वाले कारक. शोधगंगोत्री, 1-15.

[3]. कुमार, एस. (2018). प्रशिक्षित एवं कुशल शिक्षकों की कमी से प्रभावित हो रही शिक्षा की गुणवत्ता. दृष्टि आईएएस.

[4]. सिंह, के. (2023). उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा का अध्ययन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, 11(2), 123-130.

[5]. गुप्ता, पी. (2017). ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के समायोजन एवं शैक्षिक उपलब्धि अभिप्रेरणा का तुलनात्मक अध्ययन. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 3(8), 45-53.

[6]. वर्मा, एम. (2016). शैक्षिक लघुशोध (संकलित). राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़.

[7]. दास, आर. (2019). हिंदी भाषा शिक्षण: चुनौतियाँ एवं समाधान. मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय.

[8]. कौशिक, एस. (2022). माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता, उच्च-क्रम सोच, आत्म-प्रभावकारिता और चेतनता पर मस्तिष्क आधारित अधिगम आव्यूह के प्रभावों का अध्ययन. शोधगंगोत्री, 2-18.

[9]. शर्मा, पी. (2021). शिक्षकों का विश्वास कैसे प्रेरणा और छात्रों के सीखने को आकार दे सकता है. आइडियाज फॉर इंडिया.

[10]. मिश्रा, आर. (2018). शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का शिक्षण गुणवत्ता पर प्रभाव: एक अध्ययन. एजुकेशनल रिसर्च जर्नल, 5(4), 67-75.

[11]. त्रिपाठी, एस. (2020). शिक्षकों की पेशेवर विकास की आवश्यकता और चुनौतियाँ. भारतीय शिक्षा सोसाइटी जर्नल, 12(1), 22-29.

[12]. राय, के. (2019). शिक्षक प्रेरणा के मनोवैज्ञानिक पहलू: एक विश्लेषण. मनोविज्ञान अनुसंधान पत्रिका, 8(3), 45-53.

[13]. पटेल, डी. (2021). शिक्षकों की कार्य संतुष्टि और उनकी प्रेरणा के बीच संबंध. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज, 9(2), 34-41.

[14]. जोशी, ए. (2017). शिक्षण में नवाचार: शिक्षकों के लिए चुनौतियाँ और अवसर. शिक्षा और समाज, 15(6), 56-63.

[15]. कुमार, वी. (2022). शिक्षकों की आत्म-प्रभावकारिता और छात्र उपलब्धि के बीच संबंध: एक अध्ययन. जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट, 10(5), 78-85.